पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्रागैतिहासिक काल में जैन धर्म पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jainism in pre-historical age.

अथवा / OR

भगवान पार्श्वनाथ के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the life and philosophy of Lord Parsvanath.

प्र. 2. जैन संस्कृति की विशेषताएँ लिखिए।

Write the characterstics of Jain Culture.

अथवा / OR

आप अहिंसक जीवन शैली से क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you understand by non-violent life style? Explain it.

प्र. 3. जैन चित्रकला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the characteristics of Jain Paintings.

अथवा / OR

किन्हीं तीन जैन मन्दिरों की विशेषताएँ लिखिए।

Write characteristics of any three Jain temples.

प्र. 4. आगम किसे कहते हैं? चार आगमों की विषय वस्तु लिखिए।

What is the Agama? Write the subject matter of any four Agamas (Canonical Literatures).

अथवा / OR

जैन आगम के व्याख्या साहित्य पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain explanatory literature of canonical texts.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short note on any four-

(i) जैनस्तूप/Jain Mounds

(ii) भगवान महावीर/Lord Mahaveer

(iii) जैन पर्व/Jain Festivals

(iv) जैन दार्शनिक साहित्य/Jain Philosophical Literatures

(v) जैन कथा साहित्य/Jain Story Books.

(vi) जैन तीर्थ स्थल/Jain Piligrimages

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. निम्न गाथा को स्पष्ट कीजिए–
Explain the verse-
अण्णोण्णं पविसंता देंता ओगासमण्णमण्णस्स।
मेलंता वि य णिच्चं सग सभावं ण विजहंति।

अथवा / OR

धम्मत्थिकायमरसं अवण्णगंधं असद्दमप्फासं।
लोगागाढं पुट्ठं पिहुलमसरवादियपदेसं।।

प्र. 2. पुद्गलास्तिकाय के स्वरूप को समझाइये।
Explain the nature of theory of nature.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार 'षड्द्रव्यात्मको लोकः' को विस्तार से समझाइये।
Explain in detail the concept of 'Saddravyatmko loka' according to Jain Philosophy.

प्र. 3. जीवास्तिकाय का स्वरूप विस्तार से लिखिए।
Explain in detail the nature of Jiva.

अथवा / OR

जैन आचार की तात्त्विक पृष्ठभूमि को विस्तार से लिखिए।
Write in detail the metaphysical basis of Jain Ethics.

प्र. 4. श्रावक के व्रतों पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on vow of householder.

अथवा / OR

षडावश्यक पर टिप्पणी लिखिए।
Write a note on Sadavashyaka.

प्र. 5. सल्लेखना से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
Explain what do you know about Sallekhna.

अथवा / OR

तेरह प्रकार के चारित्र को स्पष्ट कीजिए।
Explain the thirteen types of Ethics.

♦♦♦

प्र. 3. 'महर्षि पतंजलि के अनुसार योग का स्वरूप' – इस शीर्षक पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on 'Nature of Yoga according to Maharshi Patanjali'.

अथवा / OR

'विसुद्धिमग्गो में ध्यान और समाधि' – इस विषय पर एक विस्तृत विवरण लिखिए।

Write the detail note on 'Meditation and Samadhi in Visuddhi Maggo'.

प्र. 4. जैन दर्शन में कर्म मीमांसा की व्याख्या कीजिये।

Explain the Karma mimansa according to Jainism.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार आत्मा और कर्म के संबंधों की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

Explain in detail the relation between Soul and Karma in Jainism.

प्र. 5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write the detail notes on any two-

(क) गुणस्थान / Spiritual development

(ख) लेश्या / Aural coloration

(ग) नियतिवाद / Niyativaad

(घ) कर्म और मनोविज्ञान / Karma and Psychology

(ङ) पुनर्जन्म / Re-birth

(च) दसपलिबोध / Dasapalibodh

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

तृतीय पत्र : जैन ध्यान, योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन परम्परा में ध्यान की क्या परिभाषा है? उसके भेद बतलाइए तथा शुक्लध्यान की विशेष व्याख्या कीजिये।

What is the definition of meditation in Jain tradition? Explain it's types and Shukladhyaan sepcially.

अथवा / OR

'योग' शब्द की व्याख्या कीजिए तथा आचार्य हरिभद्र की योग दृष्टियाँ समझाइए।

Explain the meaning of word 'Yoga' and Acharya Haribhadra's 'Yog Views'.

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान का आगमिक स्रोत क्या है? व्याख्या कीजिए।

What is the scriptural sources of Preksha Meditation. Explain.

अथवा / OR

स्वार्थसिद्धि टीका के अनुसार बारह अनुप्रेक्षाओं की व्याख्या कीजिए।

Explain the twelve contemplation according to Sarvaarthsiddhi commentary.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन ज्ञान मीमांसा के उद्‌भव एवं विकास के इतिहास की विवेचना कीजिए। साथ ही प्रत्यक्ष एवं परोक्ष ज्ञान की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the history of origin and growth of Jain epistemology and also explain the notion of direct and mediate knowledge.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान व ज्ञेय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the notion of 'knowledge' and 'object of knowledge' as per Jain epistemology.

प्र. 2. भारतीय न्याय मीमांसा के विकास में जैन न्याय शास्त्रियों का क्या योगदान रहा है? विस्तृत विवेचना कीजिए।

Discuss in detail the contribution of Jain logician in evolution of Indian logic (epistemology)

अथवा / OR

अवधि ज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

Define Avadhi gyana (Clairvoyance) and also discuss its types.

प्र. 3. श्रुतज्ञान के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसके प्रकारों की विवेचना कीजिए।

Explain the nature of Srutjanan and also describe types of Srutijnana.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार हेत्वाभास के स्वरूप एवं उसके प्रकारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature and types of Hetvabhasa according to Jain Philosophy.

प्र. 4. मनःपर्याय ज्ञान को परिभाषित करते हुए उसकी अर्हताओं का उल्लेख कीजिए।

Defining the nature of telepathy (Manah Paryay Janan) also enumerate its qualification.

अथवा / OR

मुख्य प्रत्यक्ष की अवधारणा को व्याख्यायित करते हुए सर्वज्ञता की सिद्धि कीजिए।

Explain the notion of major perception and prove the notion of Omniscience.

प्र. 5. व्याप्ति क्या है? इसका ज्ञान कैसे होता है? जैन के विशेष सम्बन्ध में व्याख्या कीजिए।

What is Vyapti? How it is known? Discuss with reference to Jain Logic.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार अनुमान के स्वरूप एवं संरचना की विवेचना कीजिए तथा उसके विविध प्रकारों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

Discuss the nature and structure of Anuman according to the Jainism and explain the importance of its various types.

♦♦♦

प्र. 3. भगवई सूत्र के अनुसार जीव/आत्मा के आयतन और जीव तथा शरीर के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।/ Describe the shape of the Soul and relation between Soul & body according to Bhagavai Sutra.

अथवा / OR

भगवई सूत्र के अनुसार कर्म एवं निर्जरा पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the Karma and Nirjara with reference to Bhagavai Sutra.

प्र. 4. दश्वैकालिक का परिचय दीजिए तथा साधु की गोचरी एवं मधुकरीवृत्ति पर प्रकाश डालिए।

Give an introduction of the text Dasvaikalika and throw light on the gochari and Madhukari vrtti of Sadhu.

अथवा / OR

निम्नांकित गाथाओं की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए –

Explain the following verses with the context-

(i) वरं मे अप्पा दन्तो, संजमेण तवेणय।
माहं परेहि दम्मन्तो, बन्धणेहिं वहेहिय ।।

(ii) मुसं परिहरे भिक्खू, न य ओहारणिं वए।
भाषा–दोसं परिहरे, मायं च वज्जए सया।।

प्र. 5. समय एवं समयसार क्या है? इसे समझाएँ तथा समयसार के प्रथम अध्याय के अनुसार शुद्ध जीव की अवधारणा का वर्णन करें।

What is the Samaya and Samayasara? Explain it and describe the concept of Suddha Jiva according to first chapter of Samaysar text.

अथवा / OR

समयसार के अनुसार आत्मवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Atmavada according to Samayasara.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र के अनुसार स्थावर जीवों की अवधारणा तथा उनकी सत्ता को समझाइए।/ Explain the concept & existance of Sthavara Jivas according to the Acharanga Sutra.

अथवा / OR

निम्नांकित सूत्रों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए–

Explain the following sutras with the context-

(अ) इहमेगेसिं णो सण्णा भवइ।

(ब) से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई।

(स) पणया वीरा महावीहिं।

प्र. 2. अक्रियावाद से आप क्या समझते हैं? सूत्रकृतांग के संदर्भ में समझाइए एवं इस ग्रन्थ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।/ What do you mean by Akriyavada? Explain it with the reference to Sutra kritanga Sutra and give a short note on this text.

अथवा / OR

संसार से मुक्त कौन हैं? पाठ्यानुसार जन्म–मरण की परम्परा को समझाइए।

Who is librated form the world? Explain the tradition of birth and death according to text.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. द्विपदेशी स्कन्धों में सप्तभंगी के कितने व कौनसे भंग सम्भव हैं? भगवती सूत्र के आधार पर स्पष्ट करें।

How many and which predications of Saptabhangi (Sevenfold predications) are possible for Dwipradesi Skandha. Explain acording to Bhagvati Sutra.

अथवा / OR

अनुयोगद्वार सूत्र के अनुसार 'प्रदेश दृष्टान्त' द्वारा नय–प्रमाण के स्वरूप को व्याख्यायित करें।

Explain the concept of Naya-Pramana through Pradesh-Dristant according to Anuyoga-dwara Sutra.

प्र. 2. आचार्य सिद्धसेन के मतानुसार द्रव्यास्तिक व पर्यायार्थिक नय के अन्तर को स्पष्ट करें। व्यञ्जन पर्याय के अवान्तर भेदों में एकान्त भेद है या भेद?

Explain the difference between Dravyastika and Paryayasthika Naya according to Acharya Siddhasena.

अथवा / OR

सन्मति प्रकरण में प्रतिपादित व्यञ्जन पर्याय व अर्थपर्याय के अन्तर को स्पष्ट करें। व्यञ्जन पर्याय के अवान्तर भेदों में एकान्त अभेद है या भेद?

Differentiate the Vyanjan Paryaya and Artha Paryaya as described in Sanmati Prakaran. Is there Ekanta Abheda or Bheda among the sub-kinds of Vyanjan-Paryaya?

प्र. 3. एक ही वस्तु में अस्तित्त्व व नास्तित्त्व कैसे संगत होते हैं? द्रव्य व गुण परस्पर भिन्न है या अभिन्न? आचार्य सिद्धसेन के अभिमत को प्रस्तुत करें।

How form of affirmation (Astitva) and form of Negation (Nastitva) are justified in one substance? Are substance (Dravya) and quality (Guna) are different from each other or not? State the opinion of Acharya Siddhasena.

अथवा / OR

एक वस्तु में उत्पाद, व्यय व स्थिति किस प्रकार घटित होते हैं? वे द्रव्य से भिन्न हैं या अभिन्न? तीनों के काल में भेद या अभेद है? आचार्य सिद्धसेन के मत को स्पष्ट करें।

How origination (Utpada), cessation (Vyaya) and permanence (Sthiti) are being justified in one substance? Are they different from substance or not? Explain the opinion of Acharya Siddhasena.

प्र. 4. द्रव्य के स्वरूप चतुष्टय व पररूप चतुष्टय से क्या तात्पर्य है? सप्तभंगी के नियोजन में इनका प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट करें

What is meant by Svarupa-Chatustya and Pararupa-Chatustya? How these are used in applying Saptabhangi (Theory of sevenfold predications)?

अथवा / OR

प्रमाण सप्तभंगी और नय सप्तभंगी के स्वरूप को सोदाहरण समझाएं।

Explain the concept of Pramana-Saptabhangi and Naya-Saptabhangi with example.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) पर्यायास्तिक नय/ Paryayastika Naya

(ii) सन्मतिप्रकरण की विषय वस्तु/ Subject-matter of Sammati Prakaran

(iii) निक्षेप पद्धति की उपयोगिता / Utility of Nikshepa-Theory

(iv) प्रमाण, नय, दुर्नय / Pramana, Naya, Durnayha

(v) द्रव्य दृष्टि–पर्याय दृष्टि / Dravya-Dristi-Paryaya-Dristi

(vi) समभिरूद नय / Samabhirudha Naya.

♦♦♦

प्र. 3. जैन एवं योग दर्शन के अनुसार व्रत के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain the nature of Vrata according to Jain & Yoga Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार कर्मवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Karmavada according to Jain Philosophy.

प्र. 4. जैन, बौद्ध एवं न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाणवाद पर तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

Explain the comprative study of Pramanavada according to Jain, Baudha & Nyaya Philosophy.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद की व्याख्या कीजिए।

Explain Anekantavada according to Indian Philosophy.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write notes on any four -

1. ध्यान का स्वरूप/Nature of Meditation
2. विपश्यना ध्यान/Vipashyana Meditation
3. सहज योग/Sahaj Yoga
4. भक्ति/Bhakti
5. गीता में योग/Yoga in Geeta
6. भावातीत ध्यान/Bhavatita Dhyana

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

सप्तमपत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीय धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार आत्मा का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of Soul according to Jain & Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

सांख्य एवं न्याय दर्शन के अनुसार कारण–कार्य सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the theory of cause & effect according to Sankhya & Nyaya Philosophy.

प्र. 2. जैन एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार अहिंसा सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Explain the theory of Non-violence according to Jain & Baudha Philosophy.

अथवा / OR

योग एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार अपरिग्रह सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Explain the theory of Non-passession according to Yoga and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

पाश्चात्य दर्शन और जैन दर्शन के जगत् विचार का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Compare the concept of world (Jagat) according to western philosophy and Jain philosophy.

प्र. 4. ईसाई धर्म में मान्य ईश्वर विचार, मुक्ति मार्ग एवं नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालें एवं उनकी जैन दर्शन से तुलना करें।

Highlight the concept of God, Path of liberation and Ethics of Christianism & Compare it with Jainism.

अथवा / OR

इस्लाम और जैन धर्म का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

Explain comparatively Islam with Jain philosophy and religion.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short note on any two of the following-

(i) आर्थिक विषमता एवं अपरिग्रह

Economic disbalance and non-possessiveness

(ii)लोकतंत्र एवं अनेकान्त

Democracy and philosophy of Anekant

(iii)स्वस्थ समाज संरचना एवं अणुव्रत

Healthy social structure and Anuvrata.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2018

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

अष्टम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीयेत्तर धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. काण्ट के देश और काल की अवधारणा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Clarify in brief the concept of space and time according to Kant.

अथवा / OR

अरस्तू के दर्शन में द्रव्य का क्या स्वरूप है? उसे विस्तार से लिखो।

What is the nature of substance in philosophy of Aristotle? Explain in detail.

प्र. 2. आत्मा और शरीर के सम्बन्ध में पाश्चात्य दर्शन और जैन दर्शन की मान्यता की तुलना कीजिए।

Compare the doctrine of Jain Philosophy and Western Philosophy regarding soul and body.

अथवा / OR

डेकार्ट और स्पिनोजा के द्रव्य की तुलना जैन दर्शन के द्रव्य से कीजिए।

Compare the substance as mentioned in Jain philosophy with the Decort's and Spinoza's substance.

प्र. 3. ह्यूम और जैन दर्शन के कारण–कार्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

Explain the relation of cause and effect according to Hume and Jain Philosophy.